

# **भारत का राजपत्र** **The Gazette of India**

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड—(ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 379] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 20, 1970/अश्विन 28, 1892  
 No. 379] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 20, 1970/ASVINA 28, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्थ संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
 as a separate compilation.

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

### ORDER

*New Delhi, the 20th October 1970*

**S.O. 3484.**—Whereas the Central Government is of the opinion that Chhaganlal Textile Mills Pvt. Ltd., Chalisgaon, an industrial undertaking in respect of which an investigation has been made under Section 15 of the industries (Development and Regulation) Act 1951 (85 of 1951), is being managed in a manner highly detrimental to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 18-A of the said Act, the Central Government hereby authorises the Maharashtra State Textile Corporation (herein after referred to as Authorised Controller) to take over the management of the whole of the said undertaking namely, Chhaganlal Textile Mills Pvt. Ltd., Chalisgaon, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) The Authorised Controller shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) The Authorised Controller shall hold office for five years from the date of publication in the official gazette of this notified order;
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the Authorised Controller earlier if it considers necessary to do so.

2. This order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the official gazette.

[No. F. 9/2/Lic.Pol/70.]

K. D. N. SINGH, Jt. Secy.

**प्रयोग : विकास तथा औद्योगिक व्यापार मंत्रालय**

**आदेश**

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1970

का० प्रा० 484.—ततः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि छगनवाल टैक्स्टाइल् मिल प्रा० लि०, चालिसगांव नामक एक औद्योगिक उपक्रम का, जिसके सम्बन्ध में औद्योगिक (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के अधीन जांच की गई, प्रबन्ध इस ढंग से किया जा रहा है जो सार्वजनिक हित में बहुत ही अहितकर है ;

अतः, अब उपरोक्त अधिनियम की धारा 18-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इतद्वारा मताच्छेद राज्य वस्त्र निगम (जिसे एतदीपरान्त प्राधिकृत नियन्त्रक कहा जाएगा) को छगनवाल टैक्स्टाइल् मिल प्रा० लि०, चालिसगांव नामक उपरोक्त सम्पूर्ण उपक्रम का प्रबन्ध करने अधिकार में लेने के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन, प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (1) प्राधिकृत नियन्त्रक, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर दिये गये निदेशों का पालन करेगा ;
- (2) प्राधिकृत नियन्त्रक इस आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष तक की अवधि के लिये कार्यभार सम्भालेगा ;
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि आवश्यक समझेगी, तो उससे पूर्व भी इस प्राधिकृत नियन्त्रक की नियुक्ति को रद्द कर सकती है ।

2. यह आदेश सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष तक की अवधि के लिये प्रभावी रहेगा ।

[सं. एफ 9/2/लिक० पोल : 70]

के० डी० एन० सिंह, संयुक्त सचिव ।